HIN1B09a_cours-07-2013-03-18

क्या कभी-कभी झूठ बोलना अच्छा होता है?

कुछ लोगों को हमेशा सच बोलना पसन्द है तो कुछ लोगों को हमेशा झूठ बोलना। सभी धर्मों का कहना है कि झूठ बोलना पाप होता है। गाँधी जी ने भी हमें हमेशा सच बोलने की सलाह दी। उनका मानना था कि जो लोग झूठ बोलते हैं उनका दिमाग हमेशा झूठ को छिपाने की कोशिश में लगा रहता है। गाँधी जी के अनुसार झूठ बोलने वालों को हमेशा डर लगता है कि कहीं दूसरों को उनके झूठ का पता न चल जाए। गाँधी जी कहते थे कि जो लोग झूठ बोलते हैं उनकी इच्छा-शक्ति कमज़ोर हो जाती है। इसके विपरीत जो लोग सच बोलते हैं उन्हें किसी बात का डर नहीं होता। इसीलिए गाँधी जी का कहना था कि आदमी को हमेशा सच ही बोलना चाहिए। गाँधी जी के मुताबिक़ कोई भी ग़लत काम करने वाला सचाई के सामने नहीं टिक सकता। गाँधी ने सत्य के बल पर ही अंग्रेज़ों को भारत छोड़ने पर मज़बूर किया था।

इसके विपरीत कुछ लोगों का मानना है कि हालाँकि आदमी को हमेशा सच ही बोलना चाहिए लेकिन कभी-कभी झूठ बोलना बहुत ज़रूरी है। मसलन, अगर मैं किसी शादीशुदा आदमी को किसी दूसरी औरत के साथ डिस्कोटेक में नाचते देखूँ और उसकी पत्नी मुझसे अपने पति के बारे में कुछ पूछे तो मुझे उसे सच नहीं बताना चाहिए। मुझे ऐसे मौक़े पर झूठ बोलने का अधिकार होता है क्योंकि सच बताने से दोनों में तलाक़ हो सकता है। यानी किसी भले काम के लिए कभी-कभी झूठ बोलना पाप नहीं होता। इसके अलावा कुछ लोगों का मानना है कि झूठ बोलने वाले लोग बहुत चालाक होते हैं क्योंकि उनका दिमाग हमेशा नयी-नयी चालें खोजने में लगा रहता है।